

डॉ. रॉबर्ट सी. न्यूमैन, सिनॉटिक गॉस्पेल, व्याख्यान 11, चमत्कार व्याख्या

© 2024 रॉबर्ट न्यूमैन और टेड हिल्डेब्रांट

ठीक है, हम अपने सिनॉटिक गॉस्पेल कोर्स को जारी रख रहे हैं। अब तक हमने अपनी बारह इकाइयों में से आठ को देखा है, अगर आप चाहें तो। ऐतिहासिक यीशु, यहूदी पृष्ठभूमि, व्याख्या और आख्यानों का परिचय, सिनॉटिक्स का लेखकत्व और तिथि, दृष्टांतों की व्याख्या, गॉस्पेल, साहित्यिक कार्य, सिनॉटिक समस्या, फिलिस्तीन और यरुशलम का भूगोल।

हमें चार और भाग लेने हैं, और आज सुबह, हम चमत्कारी वृत्तांतों और चमत्कारी वृत्तांतों की व्याख्या पर विचार करने जा रहे हैं, और मैं यहाँ इस शैली के बारे में एक-दो शब्द कहना चाहता हूँ। शैली, चमत्कारी कहानी, इस तरह की शैली की परिभाषा एक ऐसी कथा होगी जो अपनी मुख्य विशेषता के रूप में चमत्कार पर केंद्रित होगी। इस शैली की सामान्य विशेषताएँ, कथा के अलावा, जाहिर है कि यह एक प्रकार की कथा है, यह है कि व्यक्ति को इसे कुशल, सुविधाजनक तरीके से बताने के लिए, समस्या का वर्णन किया जाएगा, फिर मदद के लिए अनुरोध, फिर चमत्कार करने वाले की गतिविधियाँ, और अंत में परिणाम, और वह उपचार या मुक्ति या ऐसा कुछ हो सकता है, दर्शकों की प्रतिक्रिया या ऐसा कुछ हो सकता है, या यह राक्षस की प्रतिक्रिया में हो सकता है यदि इसमें किसी प्रकार का राक्षसीकरण शामिल है।

सुसमाचारों में चमत्कारों के वर्णनों का कार्य, मेरी राय में, एक प्रमुख विशेषता यह है कि यीशु के व्यक्तित्व को उनके कार्यों के माध्यम से देखा जाता है, और हम देखते हैं कि कई स्थानों पर संकेत दिया गया है, कई अन्य कार्य किए गए हैं, लेकिन ये इसलिए लिखे गए हैं ताकि आप विश्वास कर सकें कि यीशु मसीहा हैं और उनके नाम में जीवन है, आदि। वे ईश्वर की मुक्तिदायी गतिविधि का भी संकेत देते हैं। समकालिक सुसमाचारों में बहुत सारे चमत्कार हैं, संभवतः चमत्कारों की संख्या के लिए परिमाण का लगभग वही क्रम है जो सुसमाचार में कई दृष्टांतों के लिए है।

मैंने चमत्कारों को उपचार, प्रकृति चमत्कार और पुनरुत्थान के अंतर्गत वर्गीकृत किया है, और इसलिए यहाँ सूची दी गई है। मेरे पास मैथ्यू 8 मार्क 1 और ल्यूक 5 में वर्णित एक कोढ़ी व्यक्ति है, मैथ्यू 8 और ल्यूक 7 में वर्णित सूबेदार का सेवक, मैथ्यू 8 मार्क 1 और ल्यूक 4 में वर्णित पीटर की सास, मैथ्यू 8 मार्क 5 और ल्यूक 8 में वर्णित गदरेन दुष्टात्माओं से ग्रस्त व्यक्ति, मैथ्यू 9 मार्क 2 और ल्यूक 5 में वर्णित लकवाग्रस्त व्यक्ति, मैथ्यू 9 मार्क 5 और ल्यूक 8 में रक्तस्राव से ग्रस्त महिला, मैथ्यू 9 में वर्णित दो अंधे पुरुष, और मैथ्यू 9 में वर्णित वह व्यक्ति जो गूंगा है और भूतग्रस्त भी है, मैथ्यू 12 मार्क 3 और ल्यूक 6 में एक सूखे हाथ वाला व्यक्ति, और मैथ्यू 12 और ल्यूक 11 में वह व्यक्ति जो अंधा, गूंगा और भूतग्रस्त है। फिर मैथ्यू 15 और मार्क 7 में वर्णित कनानी महिला की बेटी, मैथ्यू 17 मार्क 9 और ल्यूक 9 में एक दुष्टात्मा से ग्रस्त लड़का, और फिर मैथ्यू में वर्णित दो अंधे पुरुष 20 मरकुस 10 और लूका 18.

मत्ती में वर्णित सभी बातें चंगाई की हैं। फिर मरकुस ७ में बहरा-गूंगा, मरकुस १ और लूका ४ में आराधनालय में भूतग्रस्त व्यक्ति, मरकुस ८ में बेथसैदा का अंधा व्यक्ति, लूका १३ में अपंग महिला, लूका १४ में जलोदर से पीड़ित व्यक्ति, लूका १७ में दस कोढ़ी, महायाजक का सेवक, लूका २२ में उसका कान ठीक हो गया, और फिर यूहन्ना ४ में राजकीय पुत्र को डाल दिया गया, और यूहन्ना ५ में बेथेस्टा का बीमार व्यक्ति। वे होंगे चंगाई के चमत्कार, प्रकृति के चमत्कार, मत्ती ८ मरकुस ४ और लूका ८ में तूफान को शांत करना, मत्ती १४ मरकुस ६ लूका ९ में पाँच हज़ार लोगों को खाना खिलाना, मत्ती १४ और मरकुस ६ में पानी पर चलना, मत्ती १५ और मरकुस ८ में चार हज़ार लोगों को खाना खिलाना, मत्ती १७ में मछली के मुँह में सिक्का, मत्ती २१ और मरकुस ११ में सूख गया अंजीर का पेड़, और यूहन्ना २१ में एक और मछली पकड़ी गई, और फिर पुनरुत्थान, यीशु के पुनरुत्थान को छोड़कर, मत्ती ९ मार्क ५ और ल्यूक ८ में यार्डर की बेटी को जीवित किया गया, और फिर ल्यूक ७ में नाईन के बेटे की विधवा, और फिर यूहन्ना ११, १ से ४४ में लाज़र। हमारे नमूने के लिए, एक चमत्कार जिसे हम यहाँ व्याख्या के लिए देखने जा रहे हैं, हम मार्क ५, १ से २० में पाए गए राक्षसों और सूअरों के चमत्कार को देखेंगे।

यह मेरा अनुवाद है, और वे, यह यीशु और शिष्य होंगे, जो झील के दूसरी ओर गेरासेनस के क्षेत्र में गए थे। प्रत्येक समकालिक सुसमाचार में विभिन्न समर्थन के साथ वहाँ कई भिन्न रीडिंग हैं। मार्क में, ऐसा लगता है कि बेहतर समर्थन गेरासेनस है, और जब वह नाव से बाहर निकलता है, तो वह तुरंत कब्रों से एक अशुद्ध आत्मा वाले व्यक्ति से मिलता है। उस आदमी का घर कब्रों के बीच था, और कोई भी उसे जंजीर से भी नहीं बाँध सकता था, क्योंकि उसे कई बार बेड़ियों और जंजीरों से बाँधा गया था, लेकिन उसने जंजीरों को अलग कर दिया था, और बेड़ियाँ तोड़ दी थीं, और कोई भी उसे वश में नहीं कर पाया था।

वह रात-दिन कब्रों और पहाड़ियों के बीच चिल्लाता और अपने आप को पत्थर मारता रहा। जब उसने यीशु को दूर से देखा, तो दौड़कर उसके पाँवों पर गिरा और ऊँचे शब्द से चिल्लाकर कहा, “हे परमप्रधान परमेश्वर के पुत्र यीशु, तू मुझे क्यों सताता है? मैं तुझे परमेश्वर की शपथ देता हूँ। मुझे सता मत। क्योंकि यीशु ने उससे कहा था, “हे अशुद्ध आत्मा, इस मनुष्य में से निकल जा।”

और उसने, अर्थात् यीशु ने उससे पूछा, तेरा नाम क्या है? और उसने उससे कहा, मेरा नाम सेना है, क्योंकि हम बहुत हैं। और उसने उससे बहुत विनती की कि उन्हें इस क्षेत्र से बाहर न भेज। अब, वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुंड चर रहा था।

तब उन्होंने उससे विनती की, “हमें उन सूअरों के पास भेज दो कि हम उनके भीतर जाएँ।” उसने उन्हें ऐसा करने दिया। और अशुद्ध आत्माएँ उस मनुष्य में से निकलकर सूअरों के भीतर चली गईं और झुण्ड, जो लगभग दो हज़ार का था, ढलान से नीचे झील में जा गिरा और वे समुद्र में डूब गए।

उनके चरवाहे भाग गए और शहर और देहात में यह कहानी सुनाई, और वे, इन जगहों के लोग, यह देखने आए कि क्या हुआ था। और वे यीशु के पास आए, और उन्होंने देखा कि दुष्टात्मा से ग्रस्त व्यक्ति पागलों की तरह कपड़े पहने बैठा है, जिसके पास सेना थी, और वे डर गए। और जिन्होंने यह देखा था, उन्होंने उन्हें बताया कि दुष्टात्मा से ग्रस्त व्यक्ति और सूअरों के साथ क्या

हुआ था, और वे उससे विनती करने लगे कि वह उनके इलाके से चला जाए, जैसा कि यीशु ने विनती की थी।

जब वह नाव पर चढ़ने लगा, तो वह भूतपूर्व दुष्टात्माग्रस्त व्यक्ति उससे विनती करने लगा कि मुझे अपने साथ रहने दे। परन्तु यीशु ने उसे आने न दिया। तब उसने उससे कहा, अपने घर जाकर अपने लोगों को बता कि प्रभु ने तेरे लिये कितने बड़े काम किये हैं और तुझ पर कितनी दया की है।

वह चला गया और डेकापोलिस में यह घोषणा करने लगा कि यीशु ने उसके लिए कितना कुछ किया है, और सभी लोग आश्चर्यचकित हो गए। खैर, यह अंश का अनुवाद है। मैंने वास्तव में वहाँ छिपी हुई कुछ व्याकरणिक विशेषताओं से नहीं निपटा, लेकिन हम उन्हें यहाँ छोड़ देंगे।

भूगोल के बारे में थोड़ा सा। इस चमत्कार का स्थान श्लोक 1 में दिए गए क्षेत्र के लिए भिन्न रीडिंग द्वारा कुछ हद तक जटिल है। हमें गेरासेन, गेरासेन का क्षेत्र, गदारेन के क्षेत्र, गेरगेसेन के क्षेत्र मिलते हैं। और ये सभी शब्द निवासियों को संदर्भित करते हैं, और शहर के नाम गरासा, गदारा और गेरगेसा से मेल खाते हैं।

और ये सभी उस क्षेत्र के शहर हैं। उनमें से दो बड़े डेकापोलिस शहर हैं, गदारा और गरासा, और दूसरा एक गाँव का नाम लगता है, जिसे अभी भी कुर्सी के नाम से जाना जाता है, ठीक उसी तरह, ठीक है, देखिए, गैलिली के पास कोने नहीं हैं, लेकिन यह समुद्र के उत्तर-पूर्वी किनारे पर है। यदि कोई क्षेत्र के ऐतिहासिक मानचित्र को देखता है, जैसे कि यूबीएस ग्रीक न्यू टेस्टामेंट के फ्रंट पेपर में मानचित्र, तो गरासा झील से पूरे 35 मील दक्षिण-पूर्व में है।

गदारा झील से लगभग 5 मील दक्षिण-पूर्व में, एक गहरी खाई के पार है, और गेरगेसा झील के पास, पूर्वी किनारे के मध्य के उत्तर में कहीं माना जाता है, और जैसा कि मैंने अभी कुछ क्षण पहले कहा, हम सोचते हैं कि यह आज का कुर्सी गाँव है। जैसा कि मैंने कहा, गरासा और गदारा बड़े शहर थे, डेकापोलिस के दस शहरों में से दो। गेरगेसा शायद छोटा था।

ऐसा लगता है कि यह स्थान गेरगेसा के लिए अनुकूल है, सिवाय इसके कि ऐसा प्रतीत होता है कि डेकापोलिस शहरों के पास झील पर मछली पकड़ने और डॉकिंग के अधिकार थे। ध्यान दें कि तीनों सुसमाचारों में पाठ गेरगेसेन के क्षेत्र का उल्लेख है, न कि गरासा के क्षेत्र का, या ऐसा ही कुछ। अब हम जानते हैं कि झील के पूर्वी किनारे पर विभिन्न स्थानों पर अभी भी प्राचीन डॉक के खंडहर हैं।

कुछ साल पहले झील असामान्य रूप से कम थी, और इस सामग्री का कुछ हिस्सा दिखाई दिया। जहाँ तक भूगोल का सवाल है, गेरगेसा के पास और झील के दक्षिण-पूर्वी छोर पर किनारे के करीब एक खड़ी ढलान है, जो शायद गरासा या गदारा के लिए मछली पकड़ने का क्षेत्र रहा होगा। इसलिए कोई भी स्थान संभव है।

जाहिर है, चोटियों के नीचे उतरने के लिए आपको काफी खड़ी ढलान वाली किसी चीज़ की ज़रूरत होगी। तो, भूगोल के बारे में थोड़ा सा। हम कह सकते हैं कि दो उम्मीदवार हैं।

पारंपरिक एक झील के उत्तर-पूर्वी किनारे पर है। राक्षस। राक्षसों में विश्वास आम तौर पर पश्चिमी धर्मनिरपेक्ष संस्कृति में खारिज कर दिया जाता है, लेकिन दुनिया भर में पारंपरिक संस्कृतियों में बहुत व्यापक है।

बाइबल उनके अस्तित्व के बारे में काफी स्पष्ट है, हालांकि यह इस बारे में बहुत कम कहती है कि वे क्या हैं। मानक विचार यह है कि वे किसी प्रकार के पतित स्वर्गदूत हैं, लेकिन यह मूल रूप से इसलिए है क्योंकि हम अदृश्य दुनिया के बारे में लगभग कुछ भी नहीं जानते हैं, और इसलिए हम चीजों को सरल बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन हमें कई संकेत मिले हैं कि अदृश्य दुनिया शायद हमारी दुनिया जितनी ही जटिल है, इसलिए हम सेराफिम और करूब को स्वर्गदूतों के रूप में देखते हैं, और हम वास्तव में निश्चित रूप से नहीं जानते हैं।

इसलिए, हम शायद इसे यहीं छोड़ देंगे। बाइबल उनके अस्तित्व के बारे में काफी स्पष्ट और काफी विशिष्ट है, लेकिन यह इस बारे में बहुत कम कहती है कि वे क्या हैं, न ही वे कहाँ से आए, और इस तरह की बातें। पुराने नियम में दुष्टात्मा के कब्जे के कोई स्पष्ट उदाहरण नहीं हैं, लेकिन 1 शमूएल 16 में शाऊल को एक दुष्ट आत्मा द्वारा परेशान किया जाता है।

1 राजा 22 में, अहाब के भविष्यद्वक्ता एक धोखेबाज आत्मा द्वारा गुमराह किए जाते हैं। उत्पत्ति 6 में परमेश्वर के पुत्रों और मनुष्यों की पुत्रियों की घटना शैतानी हो सकती है। व्यवस्थाविवरण 32.17 और भजन 106.37 में झूठी उपासना के संबंध में राक्षसों का उल्लेख किया गया है। इसके विपरीत, सुसमाचारों में अक्सर और प्रेरितों के काम में एक या दो बार राक्षसों के कब्जे का उल्लेख किया गया है।

किसी कथा में राक्षसों की उपस्थिति इसकी व्याख्या को जटिल बना देती है, क्योंकि हम हमेशा यह नहीं बता सकते कि कौन कार्य कर रहा है। क्या यह वह व्यक्ति है जिसे राक्षस बनाया गया है, या वह अपनी पहल पर है, या क्या यह राक्षस है जो उसकी गतिविधियों को नियंत्रित कर रहे हैं? हमारे अंश में, क्या यह राक्षसी है या राक्षस? क्या यह सूअर है या राक्षस? यह हमें फिर से याद दिलाता है कि अदृश्य दुनिया के बारे में बहुत कुछ ऐसा है जो हम नहीं जानते हैं। चमत्कार के विवरण के रूप में इस अंश की विशेषताओं के बारे में थोड़ा सोचें।

समस्या का वर्णन किया गया है। वास्तव में, 20 श्लोकों के अंश में राक्षसी का परिचय काफी विस्तृत वर्णन के साथ दिया गया है। उसकी बीमारी और उसके जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में।

मदद के लिए अनुरोध करें। इस विशेष मामले में, यह स्पष्ट नहीं है कि कोई मदद है या नहीं, जब तक कि यीशु की ओर आदमी का प्रारंभिक आंदोलन राक्षसों के बजाय उसकी पहल का परिणाम न हो। किसी तरह के परिदृश्य की कल्पना करें जिसमें वह अपने सिर में राक्षसों को बात करते हुए सुन सकता है, आदि।

और उनमें से एक कहता है, देखो, यीशु वहाँ है या ऐसा ही कुछ। और राक्षसी लोग सोचते हैं, अब या कभी नहीं, और यीशु की ओर दौड़ना शुरू कर देते हैं। लेकिन हम अन्य घटनाओं की भी

कल्पना कर सकते हैं जहाँ राक्षस बस यही कह रहे हैं, देखो, यहाँ एक समूह किनारे पर आ रहा है।

हम उन्हें पकड़ कर नीचे ले आएंगे और जब तक वे बहुत करीब नहीं पहुंच जाते, हमें एहसास नहीं होगा कि उनमें से एक यीशु है। इसलिए, मुझे नहीं पता कि हमारे विशेष खाते में यहाँ मदद के लिए कोई अनुरोध है या नहीं। चमत्कार करने वाले के कार्य।

खैर, यीशु राक्षसों से बात करते हैं और उन्हें सूअरों में जाने की अनुमति देते हैं। परिणामस्वरूप, आदमी बच जाता है। सूअर डूब जाते हैं।

हम राक्षसों की प्रतिक्रिया के बारे में निश्चित नहीं हैं। क्या वे यीशु से छुटकारा पाने के लिए सूअरों को पानी में ले जाते हैं? क्या यीशु राक्षसों से छुटकारा पाने के लिए सूअरों को पानी में ले जाते हैं? या क्या सूअर घबरा जाते हैं और आत्महत्या कर लेते हैं? यह उन जटिलताओं में से एक है जहाँ आप केवल यह देखते हैं कि यहाँ बाहर क्या हुआ, और आप नहीं जानते कि राक्षसी या सूअरों के अंदर क्या चल रहा है। दर्शकों की प्रतिक्रिया काफी सीधी है।

सूअर चराने वाले गांव की ओर भागते हैं। आपको लगता है कि वे मालिक नहीं हैं। और शायद, वे अपनी कहानी सबसे पहले बताने के लिए वहां भागते हैं।

सुनिश्चित करें कि प्रारंभिक धारणा यह हो कि वे जिम्मेदार नहीं हैं। जब वे वहां पहुंचते हैं, तो दर्शक भयभीत होते हैं और चाहते हैं कि यीशु चले जाएं। अलौकिक की उपस्थिति में डर, निश्चित रूप से, पूरे मानव इतिहास में एक सामान्य घटना है।

हम इसे सुसमाचार, बाइबल और बाहरी सामग्रियों में बहुत ज़्यादा देखते हैं। भूतपूर्व दुष्टात्मा ग्रस्त व्यक्ति यीशु के साथ जाना चाहता है। तो, चमत्कार के विवरण के रूप में इस अंश की कुछ विशेषताएँ यही हैं।

लेकिन यह एक कथा भी है, है न? तो, हमारे पास कथा की मानक विशेषताएँ हैं - अभिनेता या पात्र, घटनाएँ और क्रियाएँ, दृश्य, कथानक, आदि। खैर, मुख्य पात्र, जाहिर है, यीशु है।

फिर दुष्टात्मा से ग्रस्त व्यक्ति, और हमें यकीन नहीं है कि उसकी हरकत क्या है जब तक कि वह अपनी पहल पर ठीक नहीं हो जाता। दुष्टात्माएँ यीशु से बातचीत करती हैं और वे एक समूह के रूप में काम करते हैं। सूअर चराने वाले बोलते नहीं हैं।

वे अपनी बातों में कुछ नहीं कहते, लेकिन वे गांव की ओर निकल पड़ते हैं। शिष्यों की पहचान स्पष्ट रूप से नहीं की गई है, लेकिन वे शायद प्रमुख लोग हैं जो कुछ मिनट बाद यहां पहुंचने पर ग्रामीणों को घटनाओं के बारे में बता रहे हैं। और ग्रामीण एक समूह के रूप में कार्य करते हैं।

घटनाएँ और कार्य। यीशु और उसके शिष्य झील के दूसरी ओर पहुँचते हैं। कफरनहूम की तुलना में दूसरी ओर।

तो, झील के ऊपर या झील के पूरे भाग में, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दोनों में से कौन सी जगह सही है। दुष्टात्मा से ग्रस्त व्यक्ति यीशु से मिलने के लिए दौड़ता है। और फिर हमारा वर्णनकर्ता उसे उसकी पृष्ठभूमि की स्थिति का चित्रण करने के लिए एक पक्ष देता है।

किसी पात्र को किसी कहानी में शामिल करने की यह विशेषता है कि वह कौन है, वह कहाँ से आया है, या ऐसा कुछ। यह वास्तव में काफी लंबा है क्योंकि अगर आप चाहें तो इस व्यक्ति का इतिहास काफी दुखद है। यीशु राक्षसों को बाहर आने का आदेश देते हैं।

और यहाँ कुछ रोचक घटनाएँ हैं। वे प्रतिरोध करते हैं। और फिर, विडंबना यह है कि वे भगवान से उनकी रक्षा करने के लिए कहते हैं।

वे उसे परमेश्वर की शपथ दिलाते हैं कि वह उन्हें बाहर न फेंके। लूका के वर्णन में उन्हें रसातल में फेंक दिया गया है। वे स्वीकार करते हैं कि वे एक सेना हैं।

और थोड़ा पृष्ठभूमि में बता दूँ। रोमन सेना में एक मानक सैन्य इकाई एक सेना इकाई थी। और पूरी ताकत में लगभग 6,000 लोग होते थे।

तो, संभवतः, यह टिप्पणी यह संकेत देने के लिए है कि हम इस व्यक्ति में संभवतः हज़ारों राक्षसों को देख रहे हैं। वे सूअरों में जाने की अनुमति मांगते हैं। यीशु उन्हें अनुमति देते हैं।

और सूअर झील में भगदड़ मचाते हैं और डूब जाते हैं। सूअर चराने वाले शहर की ओर जाते हैं और भीड़ के साथ लौटते हैं। इस समय तक राक्षसी अब कपड़े पहन चुकी होती है और होश में आ चुकी होती है।

जब भीड़ को एहसास हुआ कि क्या हुआ है, तो उन्होंने यीशु से जाने के लिए कहा। वह चला गया, लेकिन उसने भूतपूर्व दुष्टात्मा से पीड़ित व्यक्ति को निर्देश दिया कि वह दूसरों को बताए कि परमेश्वर ने उसके लिए क्या किया है। फिर, हमें बताया गया कि दुष्टात्मा से पीड़ित व्यक्ति ने डेकापोलिस में जाकर यह कहानी सुनाई।

दृश्य, सिर्फ़ एक है। यह सब झील के किनारे होता है, सिवाय उस अंतिम कथन के जो आपको बताता है कि राक्षस ने क्या किया। कथानक।

यह वास्तव में जटिल नहीं है। यीशु एक व्यक्ति को दुष्टात्माओं की भीड़ से बचाता है, और ये घटनाएँ मानव स्वभाव, दुष्टात्मा स्वभाव और यीशु के स्वभाव के बारे में कुछ जानकारी प्रदान करती हैं।

खैर, मेरे पास मेरे छात्र थे, और मैंने सोचा कि यहाँ क्या हो रहा है। और फिर हमने इस बारे में सोचने की कोशिश की कि इस चमत्कार से हमें किस तरह के धार्मिक सबक मिल सकते हैं। और चूँकि सुसमाचारों में चमत्कार के वृत्तांत आम तौर पर हमें यीशु के बारे में कुछ बताने के लिए होते हैं, तो सबसे पहले पूछने वाली बात यह है कि यह वृत्तांत हमें यीशु के बारे में क्या बताता है? खैर,

वृत्तांत कहता है कि वह परमेश्वर का पुत्र है, हालाँकि इस विशेष जानकारी का स्रोत बहुत बढ़िया नहीं है।

यह शैतानों की बात है। और चूँकि वे झूठे हैं, इसलिए आप नहीं जानते कि वे सच बोल रहे हैं या झूठ। और निस्संदेह, यह उनके उद्देश्य का हिस्सा है।

और इसीलिए यीशु दुष्टात्माओं को बोलने के लिए प्रोत्साहित नहीं करते: वे ऐसी बातें शुरू करने की कोशिश करेंगे जो परेशानी का कारण बनेंगी। इसलिए, झूठ बोलने वाले के लिए चीजों को जटिल बनाने का एक तरीका यह है कि वह अपने झूठ को कुछ सच्चाईयों के साथ मिला दे।

और फिर लोग निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि वह क्या कह रहा है। लेकिन वास्तव में, वह परमेश्वर का पुत्र है, जैसा कि हम अन्यत्र से जानते हैं। और, बेशक, आम तौर पर, जब हम पवित्रशास्त्र में अंशों की व्याख्या करते हैं, तो हम उन्हें पूरे पवित्रशास्त्र के अपने ज्ञान के संदर्भ में व्याख्या करने का प्रयास करते हैं।

यही कारण है कि मैंने पहले भी व्याख्या के परिचय में सुझाव दिया था कि बाइबल को बार-बार पढ़ना महत्वपूर्ण है जब तक कि आपको यह अच्छी तरह से पता न चल जाए कि इसमें क्या है। और जानें कि इसमें क्या नहीं है। आप समझ सकते हैं कि जब यीशु कहते हैं कि आपको फिर से जन्म लेना चाहिए, तो वे अवतार के बारे में बात नहीं कर रहे हैं यदि आपने बाइबल का बाकी हिस्सा पढ़ा है।

भले ही एक हिंदू या बौद्ध व्यक्ति इस तरह से प्रतिक्रिया कर सकता है यदि उसने केवल यही मार्ग देखा है, यीशु परमेश्वर का पुत्र है। वह हज़ारों राक्षसों को वश में करने में सक्षम है।

तो, अगर आप चाहें तो इस तरह का एक बहुत बड़ा दल भी अंतिम अर्थ में उसका विरोध करने में सक्षम नहीं है। वह उन लोगों के लिए करुणा रखता है जो शैतान के बंधन में हैं। हम नहीं जानते कि इस तरह से समाप्त होने में इस व्यक्ति की क्या जिम्मेदारी थी, लेकिन यह काफी महत्वपूर्ण हो सकता है।

लेकिन यीशु को उस पर दया आती है। और हम एक और महत्वपूर्ण बात देखते हैं जो हम अन्य अंशों में भी देखते हैं। यीशु लोगों को अपने तरीके से चलने की अनुमति भी देगा।

तो, यहाँ, लोग चाहते हैं कि वह चले जाएँ, और वह चले जाते हैं। कुछ संकेत हैं, विशेष रूप से डेकापोलिस के बारे में इस टिप्पणी के साथ, जो शायद बाद में 4,000 लोगों को खिलाने के आसपास की कुछ विशेषताओं की व्याख्या करते हैं, जो इस क्षेत्र में भी समाप्त होता प्रतीत होता है। और वह यह है कि, जब वह शायद भूतपूर्व राक्षस को अपना काम करने के लिए कुछ महीने दे देता है, तो बहुत से लोग उसे सुनने के लिए तैयार हो जाते हैं जब वह फिर से वापस आता है।

ये कुछ ऐसी बातें हैं जो मैंने यीशु के बारे में दिए गए अंश में देखीं। राक्षसों के बारे में, बाइबल बहुत स्पष्ट है और यह अंश भी बहुत स्पष्ट है कि वे मौजूद हैं और वे खतरनाक हैं, न कि केवल पागलपन के लिए एक आदिम मॉडल। मेरे मन में सवाल उठा है: क्या पागलपन राक्षसों के लिए

एक आधुनिक भेस हो सकता है? हम सब कुछ नहीं समझते हैं, और यह दावा करना आवश्यक नहीं है कि पागलपन केवल राक्षसों के लिए एक भेस है, लेकिन कुछ मामलों में यह अच्छी तरह से हो सकता है।

यह हमें फिर से याद दिलाता है कि हम अदृश्य दुनिया को नहीं देख सकते। ये राक्षस स्पष्ट रूप से आध्यात्मिक वास्तविकताओं को देख सकते हैं जिन्हें हम नहीं देख सकते। वे किसी तरह यीशु के बारे में कुछ जानते हैं, और संभवतः, यह कुछ देखकर ही है कि वे बता सकते हैं कि वह कौन है या ऐसा कुछ।

ये राक्षस मनुष्यों या जानवरों से ज़्यादा शक्तिशाली हैं, इसलिए वे इस व्यक्ति को ज़्यादा या कम हद तक नियंत्रित करने में सक्षम हैं। वे शायद जानवरों को भी नियंत्रित करने में सक्षम हैं। यह संभव है कि वे एक समय में केवल एक को ही नियंत्रित कर सकें, इसलिए जब ये राक्षस कम होते हैं, तो उनमें से बहुत से सूअरों को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त होते हैं, जिनकी संख्या लगभग 2,000 बताई जाती है।

तो, पता नहीं, पता नहीं। हालाँकि, राक्षस भगवान के अधीन हैं। हम उस ब्रह्मांड में नहीं रहते हैं जैसा कि जोरास्ट्रियन ने देखा था, जिसमें हमारे पास लगभग समान शक्ति वाले दो देवता हैं जो आगे-पीछे लड़ते हैं।

लेकिन परमेश्वर ही वह है जो अपने सभी प्राणियों पर शासन करता है, चाहे वे विद्रोह में हों या नहीं। मनुष्यों के बारे में भी हमारे पास कुछ अंतर्दृष्टि है। हम इसे दुष्टात्माओं और भीड़ और उन सभी चीजों से सीखते हैं और अक्सर शिष्यों से भी सीखते हैं।

ऐसी घटनाओं में, मैं यहाँ तीन बातें देखता हूँ। लोग आध्यात्मिक चीज़ों से पहले भौतिक चीज़ों को प्राथमिकता देते हैं, दूसरों की चिंताओं से पहले अपनी चिंताओं को प्राथमिकता देते हैं। तो, यहाँ एक बहुत अच्छी बात हुई जो इस व्यक्ति के साथ हुई: उसे मुक्ति मिली, आदि।

और हो सकता है कि भीड़ में कुछ लोग ऐसे भी हों जो इस बात से बहुत उत्साहित हों, हालाँकि ऐसा नहीं लगता कि शायद उनका अपना परिवार अब पड़ोस में भी है। लेकिन भीड़ की मुख्य चिंता सूअरों के बारे में है, और शायद उन्हें डर है कि अगर यीशु बहुत देर तक वहाँ रहे तो कुछ और अनर्थकारी हो सकता है, इसलिए वे चाहते हैं कि वे चले जाएँ। कुछ मामलों में लोग राक्षसों के अधीन होते हैं, और हम इसकी तकनीक के बारे में ज़्यादा नहीं जानते।

आप उद्धार मंत्रालयों को पा सकते हैं जो आपको बहुत सारी जानकारी देंगे, लेकिन उनमें से कितनी वास्तविक, वास्तव में सटीक जानकारी है, यह बताना बहुत मुश्किल है। और हम यह भी देखते हैं कि मनुष्य विशेष धार्मिक प्रशिक्षण के बिना अपने जीवन में परमेश्वर के कार्य को देख सकते हैं। और यहाँ यह महत्वपूर्ण है, कि इस भूतपूर्व दुष्टात्माग्रस्त व्यक्ति को अपने साथ रखने के बजाय ताकि वह यीशु या उस जैसी किसी चीज़ के बारे में कुछ और सीख सके, यह शुरुआत के लिए पर्याप्त है कि वह बाहर जाए और लोगों को बताए कि यीशु ने अपने जीवन में क्या किया है।

खैर, इससे यह सवाल उठता है कि अगर हम उपदेश दे रहे हैं या बाइबल अध्ययन या संडे स्कूल क्लास या कुछ और पढ़ा रहे हैं, तो हम इस विशेष अंश का उपदेश कैसे दे सकते हैं या पढ़ा सकते हैं? खैर, मैं यहाँ कुछ बातें सुझाता हूँ। मुझे लगता है कि यह हमारे लोगों को यह समझने में मदद करने के लिए काफी मूल्यवान होगा कि शैतानी शक्ति वास्तविक है। यह सिर्फ एक मजाक नहीं है कि कोई व्यक्ति लाल लियोटार्ड पहनकर पिचफ़र्क लेकर घूम रहा है; यह कोई अंधविश्वास नहीं है, और यह सिर्फ संस्थागत उत्पीड़न का रूपक नहीं है, जो कि हाल की पीढ़ियों में उदारवादी दृष्टिकोण से देखा जाता है कि राजतंत्र और शक्तियाँ विभिन्न राजनीतिक प्रणालियाँ और संस्थाएँ हैं जो अन्य लोगों पर अत्याचार करती हैं।

खैर, यह शैतान के काम करने का एक तरीका है, ठीक है, लेकिन यह उसके काम करने का एकमात्र तरीका नहीं है। और शैतान को केवल उस तरह की संस्थागत गतिविधियों तक सीमित नहीं किया जा सकता। हम लोगों को यह समझने में भी मदद कर सकते हैं कि हमें शैतानी शक्ति से डरने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि परमेश्वर अभी भी नियंत्रण में है, लेकिन हमें सुरक्षा और उद्धार के लिए मसीह के पास भागना चाहिए।

हम पर्याप्त रूप से मजबूत नहीं हैं, नाम और दावा जैसी बातें इस अर्थ में काम नहीं करतीं कि हम अपने दम पर ऐसा कर सकते हैं, अगर हमारे पास पर्याप्त विश्वास या ऐसा कुछ हो। अगर हम वाकई यीशु पर भरोसा कर रहे हैं, तो हम वाकई परमेश्वर पर भरोसा कर रहे हैं, और परमेश्वर हमें ऐसा करने की शक्ति दे सकता है। लेकिन वह इस बात की गारंटी नहीं देता कि वह ऐसा करने जा रहा है।

वह यह गारंटी नहीं देता कि हमें ऐसी परिस्थितियों में फंसने की कोशिश करनी चाहिए और उसे हमें बचाना चाहिए। यह यीशु के लिए शैतानी प्रलोभन के बराबर है कि वह मंदिर से कूद जाए और नीचे गिरने से पहले परमेश्वर के स्वर्गदूतों को उसे पकड़ने दे। हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम हर दिन वही करें जो परमेश्वर हमसे करवाना चाहता है, वैसा ही व्यक्ति बनें जैसा वह चाहता है, और फिर अगर वह हमें ऐसी परिस्थितियों में लाता है जहाँ हम ऐसी किसी चीज़ का सामना करते हैं, तो हमें या किसी और को जिस भी तरह की मुक्ति की ज़रूरत हो, उसके लिए उस पर निर्भर रहें और उस पर भरोसा करें।

तो, उस मामले में, उस अर्थ में, हमें शैतानी शक्ति से डरने की ज़रूरत नहीं है। मुझे लगता है कि यहाँ हमारे पास एक सबक भी है, जिसे हम ग्रामीणों में देखते हैं, और वह है ईश्वर को नज़रअंदाज़ करने और इसके बजाय अपने रास्ते पर चलने से सावधान रहना। इस खतरनाक यीशु को अपने आस-पास रखने के बजाय, हम चाहते हैं कि वह चला जाए, आदि।

क्योंकि भगवान हमें अपनी मर्जी से चलने दे सकते हैं, और यह हमारे लिए भी एक आपदा होगी। हममें से जो ईसाई हैं, उन्हें इस बात से यह बात समझनी चाहिए कि हम जो ईसाई हैं, उन्हें दूसरों को यह बताने में सक्षम होना चाहिए कि मसीह ने हमारे लिए क्या किया है, जो हम पहले से जानते हैं, उससे शुरू करके और जो ज्ञान और क्षमताएँ हमारे पास पहले से हैं, उनका उपयोग करके और फिर उन्हें बढ़ाने की कोशिश करते हुए जैसे-जैसे प्रभु हमें अवसर देते हैं। तो यह इस विशेष चमत्कार पर मेरा दृष्टिकोण है, और हमें यह देखना चाहिए कि ये चमत्कार विवरण, हम कह

सकते हैं, विशेष रूप से हमें यह दिखाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं कि यीशु कौन है, वह क्या करने आया है, पाप का न्याय करने के लिए, लोगों को शैतान से और उनके अपने पापों से बचाने के लिए, और लोगों को पूर्णता में बहाल करने के लिए, यदि आप चाहें, जैसा कि हम इस व्यक्ति को बहाल होते हुए देखते हैं।

ठीक है, यह चमत्कारों के बारे में व्याख्या करने पर हमारी बहुत ही संक्षिप्त चर्चा है। ठीक है, मुझे अपने नोट्स का अगला सेट लेने दें, जो कि सिनॉप्टिक्स का बाइबिल धर्मशास्त्र है।